भारत सरकार

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 1227

जिसका उत्तर 27.07.2023 को दिया जाना है

एनएच-66 पर जल भराव

1227. एडवोकेट ए.एम.आरिफ:
एडवोकेट अदूर प्रकाश:

क्या सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) क्या केरल में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 के दोनों किनारों पर जल भराव की समस्या है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और इसके क्या कारण हैं और इस पर क्या कार्रवाई की गई है;

(ख) क्या सरकार का राष्ट्रीय राजमार्ग-66 के दोनों ओर जल निकासी सुविधा के माध्यम से पानी निकालने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(ग) क्या सरकार उन परिवारों के लिए अतिरिक्त मुआवजे पर विचार कर रही है जिनकी संपत्ति के चारों ओर पानी भर गया है और भविष्य में जल-भराव से बचने के लिए विकल्प ढूंढ रही है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और यदि नहीं, तो इसके क्या कारण हैं;

(घ) केरल में राष्ट्रीय राजमार्ग-66 के चौड़ीकरण कार्य की वर्तमान स्थिति क्या है;

(ड.) इसके लिए आबंटित और उपयोग की गई निधियों और अब तक पूरे किए गए कार्यों का ब्यौरा क्या है; और

(च) परियोजनाओं को समय पर पूरा करने के लिए किए गए उपायों का ब्यौरा क्या है?

उत्तर

सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री
(श्री नितिन जयराम गडकरी)

(क) से (ग) जी, हां। राष्ट्रीय राजमार्ग (रारा)-66 के कुछ खंडों में विभिन्न कारणों जैसे अत्यधिक वर्षा, दोनों तरफ भवनों के कारण रारा से अपर्याप्त सतही अप्रवाह आदि से जल जमाव देखा गया है। अल्पावधि उपायों के माध्यम से जल जमाव को पहले हटा दिया गया है। इसके अलावा दीर्घकालिक उपायों के रूप में रारा-66 के दोनों किनारों पर पर्याप्त संख्या में पुलियाओं के साथ नालियों का प्रावधान किया गया है।

(घ) और (ड.) विवरण **अनुबंध** में दिया गया है।

(च) प्राधिकरण द्वारा खामियों को चिन्हित करने के लिए विभिन्न हितधारकों के साथ नियमित बैठकें की जाती हैं और निर्धारित समय के भीतर परियोजना को पूरा करने के लिए प्रगति बढ़ाने के लिए नियमित अंतराल पर आवश्यक निर्देश भी दिए जाते हैं।

अनुबंध

'एनएच-66 पर जल भराव' के संबंध में एडवोकेट ए.एम.आरिफ और एडवोकेट अदूर प्रकाश द्वारा पूछे गए दिनांक 27.07.2023 के लोक सभा अतारांकित प्रश्न सं. 1227 के भाग (घ) और (ड.) के उत्तर में उल्लिखित अनुबंध

क. केरल राज्य में रारा-66 के चल रहे चौड़ीकरण कार्यों का ब्यौरा

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लंबाई	आवंटित की गई धनराशि	निधि उपयोग	भौतिक प्रगति
		(किमी)	(करोड़ रुपये)	(करोड़ रुपये)	(%)
1.	ईपीसी मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर थालास्सेरी-माहे बाईपास को किमी 170.600 से किमी 189.200 तक 4 लेन का बनाना	18.6	1503.86	1261.14	93.47
2	ईपीसी मोड पर एनएच-66 के किमी 93.468 (मौजूदा किमी 95.650) से किमी 94.248 (मौजूदा किमी 96.450) तक नीलेश्वरम टाउन (पल्लिकारा रेलवे फाटक) के पास 4-लेन आरओबी का निर्माण।	0.78	55.79	54.20	99.40
3	ईपीसी मोड पर एनएच-66 के किमी 203.160 पर 6एल माइनर ब्रिज (पालोली पालम) और किमी 204.895 पर मेजर ब्रिज (मूरड) का निर्माण	2.1	213.06	171.73	82.05
4	मौजूदा कोझीकोड बाईपास (यानी वेंगलम जंक्शन से रामनट्टुकारा जंक्शन) को एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 के किमी 230.400 से किमी 258.800 (डिजाइन चेनेज) तक छह लेन का बनाया जाएगा।	28.4	1862.77	465.90	45
5	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-17) पर चेंगला से नीलेश्वरम को 6 लेन का बनाना	37.268	1799	337.98	36.24
6	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-17) के नीलेश्वरम से थलिपरम्बा को 6 लेन का बनाना	40.11	2251	301.93	25.50
7	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-17) के थलप्पडी से चेंगला तक 6 लेन का बनाना	39	1704.124	429.15	48.45
8	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-17) के अझियूर से वेंगलम को 6 लेन का बनाना	40.8	3713.14	1910.87	28.12
9	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-17) पर थलिपरम्बा से मुझापिलांगडु को 6 लेन का बनाना	29.948	2038	358.28	30.11
10	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-17) पर रामनट्टुकारा से वलानचेरी तक 6 लेन का बनाना	39.68	4708.42	2815.44	35.21
11.	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-17) पर वलानचेरी से कापिरिक्कड़ को 6 लेन का बनाना	37.35	3790.17	1742.60	40.7
12.	राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-47) के थुरावूर थेक्कू-पारावूर खंड को ईपीसी मोड पर 6 लेन का बनाया जाना।	37.9	2638.67	1521.67	11.30

13	कोट्टुकुलंगरा को 6 लेन का बनाना - एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-47) के कोल्लम बाईपास की शुरुआत	31.5	1580	117.96	16.54
14	राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-47) के कदमबत्तुकोनम से कझाकुट्टम को ईपीसी मोड पर छह लेन का बनाना	29.83	795	75.12	12.27
15	राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-47) के परावूर से कोट्टुकुलंगरा खंड को ईपीसी मोड पर छह लेन का बनाया गया	37.5	3175.85	1929.72	8.7
16	राष्ट्रीय राजमार्ग-17 (नया रारा-66) के कापिरिक्कड़-थलीकुलम को एचएएम मोड पर 4/6 लेन का बनाना	33.17	3923.82	2785.32	14.99
17	राष्ट्रीय राजमार्ग-17 (नया रारा-66) के थलीकुलम-कोडुन्गल्लूर को एचएएम मोड पर 4/6 लेन का बनाना	28.84	3994.60	2686.49	12.52
18	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना राष्ट्रीय राजमार्ग-47) के कोल्लम बाईपास से कदमबट्टुकोनम तक छह लेन का निर्माण	31.25	1385	138.53	18.57
19.	एचएएम मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 (पुराना रारा-17) के कोडुन्गल्लुर-एडापल्ली को 6 लेन का बनाना	26.03	3119.94	1650.40	12.35
20.	ईपीसी मोड पर एनएच -66 के अरूर-थुरावूर खंड के बीच 6-लेन एलिवेटेड राजमार्ग	12.75	1670.06	1.38	1.73

ख) केरल राज्य में रारा-66 के पूर्ण हो चुके कार्यों का ब्यौरा

क्र. सं.	परियोजना का नाम	लंबाई (किमी)
1.	राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर एडापल्ली-व्यतिला-अरूर खंड	16.75
2.	राष्ट्रीय राजमार्ग विकास परियोजना चरण-III के अंतर्गत केरल राज्य में राष्ट्रीय राजमार्ग-47 के किमी 0+000 से किमी 26+500 तक कझाकोट्टम से मुक्कोला खंड को ईपीसी मोड पर चार लेन का बनाया गया है।	24.998
3	ईपीसी मोड पर किमी 547 + 080 से किमी 549 + 801 तक कझाकुट्टम जंक्शन और टेक्नोपार्क जंक्शन को जोड़ने वाले पहुंच और सर्विस रोड सहित नए 4-लेन एलिवेटेड राजमार्ग (2x10.5 मीटर चौड़े जुड़वां दो लेन संरचनाओं) का निर्माण	2.721
4	ईपीसी मोड पर राष्ट्रीय राजमार्ग-66 पर मुक्कोला से केरल/तमिलनाडु सीमा (किमी 26500 से किमी 43000) तक तिरुवनंतपुरम बाईपास को 4 लेन का बनाया जाएगा।	16.202

*****